हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार, 13 मई, 2025

11 महिलाओं की यात्रा को सुरक्षित बनाएगी ट्रिप मॉनिटरिंग...

12 फतेहाबाद पुलिस का सघन अभियान, मई में अब तक 68 आरोपी किए...

खबर संक्षेप

सिविल पेंशनर्स ने बैठक में जताया रोष

फतेहाबाद। हरियाणा सिविल पेंशनर्ज वैलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक उपप्रधान वीना भ्याना की अध्यक्षता में बाल भवन फतेहाबाद में सम्पन्न हुई। यह जानकारी देते हुए सचिव मदन गोपाल नारंग ने बताया कि बैठक में आए हुए सदस्यों ने सरकार द्वारा निम्न लिखित मांगों जिनमें 65, 70, 75 वर्ष की आयु में पेंशनर्ज को पेंशन में 5, 10 व 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना, कैश-लैस स्कीम लागू करना, चश्मों तथा दांतों के रेटों में बढ़ोतरी करना, 18 महीने का बकाया डीए का एरियर देना, फैमली पेंशन को एल.टी.सी देना, विकलांगों को विकलांग भत्ता देना इत्यादि मांगे न मानने पर रोष जताया।

पीर से पंखा-नकदी चुराने वाला दूसरा आरोपी काबू

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने बाबा बूटा बस्ती पीर से पंखा और गुल्लक से नकदी चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते दूसरे युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान राजेश पुत्र राजू निवासी बाबा बूटा शाह बस्ती, टोहाना के रूप में हुई है। इस मामले में एक आरोपी गुरमीत पुत्र बीरा राम निवासी बाबा बूटा शाह बस्ती, टोहाना को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। थाना शहर टोहाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 9 मई को बाबा बूटा शाह बस्ती, टोहाना निवासी गीता देवी की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

जुआ खेलते 6 लोगों को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। शहर फतेहाबाद पुलिस ने स्वामी नगर में जुआ खेलते 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी एसआई ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस टीम एसआई राजमल के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त के दौरान मिनी बाईपास, स्वामी नगर मोड़ पर पहुंची तो उन्हें सूचना मिली कि मदन लाल पुत्र भगवाना राम निवासी स्वामी नगर अपने किराये के मकान में जुआ खिलवाने का काम करता है और आज भी कुछ लोग वहां जुआ खेल रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि मकान के कमरे में 6 लोग हाथ में ताश लेकर जुआ खेल रहे थे।

अलग-अलग हादसों के मामलों में तीन काबू

फतेहाबाद। सडक़ हादसों की तीन अलग-अलग मामलों में जिला पुलिस ने आरोपी वाहन चालकों को काबू किया है। पहले मामले में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने 17 अप्रैल को शास्त्री नगर, फतेहाबाद निवासी नरेश कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार जब अपने लडक़े के साथ स्कूटी पर जा रहा था तो रास्ते में एक मोटरसाइकिल ने उनकी स्कूटी में टक्कर दे मारी। दूसरे मामले में रक्षित बंसल को तेज रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी । तीसेर मामले में मुकेश की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार बाइक के पास खड़ा था तो एम मोटरसाइकिल में उसमें टक्कर दे मारी।

श्रीराम सेवा समिति के चुनाव 7 जून को

फतेहाबाद। श्रीराम सेवा समिति फतेहाबाद की साधारण सभा की बैठक स्थानीय चिल्ली वाली धर्मशाला, मेन बाजार फतेहाबाद में सम्पन्न हुई। बैठक में श्री राम सेवा समिति के आगामी त्रैवार्षिक चुनाव आगामी 7 जून शनिवार को करवाने के निर्णय पर सहमति बनी। यह जानकारी देते हुए श्री राम सेवा समित के सचिव ज्ञान चंद मित्तल ने बताया कि समिति के चुनाव निष्पक्ष रूप से करवाने के लिए वेद पाल अहलावत को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिले में 47094 किसानों को 1514.41 करोड़ का भुगतान

फतेहाबाद में पिछले साल के मुकाबले 55 हजार टन कम हुई खरीद

दो दिन बाद बंद हो जाएगी गेहूं की सरकारी खरीद

किसान व व्यापारियों को उम्मीद, इस साल बढ़ेंगे गेहूं के दाम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गेहूं की सरकारी खरीद खत्म होने को दो दिन शेष है। इस बार पिछले साल के मुकाबले इस बार मण्डियों में 55 हजार टन गेहूं कम आई है। सरकारी खरीद एजेंसियां हैफेड, डीएफएससी व वेयर हाऊस ने अब तक 6 लाख 46 हजार 110 टन गेहूं की खरीद की है। खरीद एजेंसियों ने 47094 किसानों को 1514 करोड़ 41 लाख रुपये की राशि का भुगतान उनके खातों में कर दिया है। बता दें कि प्रदेश में इस बार गेहूं का उत्पादन पिछले साल से अधिक है। फतेहाबाद में भी प्रति एकड़ उत्पादन अधिक बताया गया है लेकिन किसान मण्डियों में गेहूं कम लाए। बीते साल 7 लाख 1 हजार 641 टन गेहूं की आवक हुई थी। बताया गया है कि किसान व व्यापारियों को उम्मीद है कि इस बार गेहूं के दाम बढ़ेंगे, इसलिए उन्होंने गेहूं को सरकार एजेंसियों को बेचने की बजाय इसे अपने गोदामों में भर लिया है। बात करें वर्ष 2020 की तो फतेहाबाद में कुल 7 लाख 12 हजार 551 टन गेहूं की आवक हुई थी। 2021 में 6 लाख 96 हजार 461 टन, 2022 में 4 लाख 29 हजार 641 टन, 2023 में 6 लाख 14 हजार 656 तथा 2024 में 7 लाख 1 हजार 641 टन गेहूं की खरीद की गई थी। इस बार अभी गेहूं खरीद बंद होने में दो दिन शेष है और मण्डियों में 6 लाख 46 हजार 110 टन गेहूं की आवक हुई है। जिला की अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर खरीद की गई गेहूं की फसल का 99.13 प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है।

फतेहाबाद। अनाज मण्डी में पड़ी गेहूं की बोरियां। *फोटो: हरिभूमि*

97.50 प्रतिशत हुआ उठान

जिले में अब तक 97.50 प्रतिशत गेहूं की फसल का उठान किया जा चुका है। अब तक 629963 मीट्रिक टन गेहूं का उठान अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों से किया जा चुका है जिसमें से फूड सप्लाई ने 93395 मीट्रिक टन, हैफेड ने 298961 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 215641 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 21965.998 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया है। जिला की सभी अनाज मंडियों और खरीद केंद्रों में अब तक 646110 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है, जिसमें से फूड सप्लाई ने 93844 मीट्रिक टन, हैफेड ने 308708 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 221431 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 22126.998 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। सरकार द्वारा गेहूं का एमएसपी 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

अब तक 6.46 लाख टन गेहूं की खरीद

अभी तक जिले में 6 लाख 46 हजार 110 टन गेहूं की खरीद की गई है। गेहूं की खरीद 15 मई तक होगी। उम्मीद है कि पिछले साल का लक्ष्य पार कर लिया जाएगा। खरीद एजेंसियों ने 47094 किसानों को गेहूं की एवज में 1514 करोड़ 41 लाख की राशि उनके खाते में डाल दी है यानि कुल खरीद का 99.13 प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है। इसके अलावा एजेंसियों ने 7 मण्डियों व 45 खरीद केन्द्रों से खरीद गए गेहूं का 97.50 फीसदी उठान कर लिया है।

-विनीत जैन, डीएफएससी फतेहाबाद

बकाया बिलों की अदायगी के लिए निगम ने शुरू की विशेष सरचार्ज माफी योजना

- सभी श्रेणियों के उपभोक्ता उठा सकेंगे योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने उपभोक्ताओं के लिए विशेष सरचार्ज माफी योजना 2025 शुरू की है। यह योजना 12 मई से 11 नवंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस योजना का लाभ उन सभी उपभोक्ताओं को मिलेगा, जो 31 अगस्त 2024 तक निगम के डिफॉल्टर थे और अभी भी डिफॉल्टर हैं। यह योजना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सभी श्रेणियों के जुड़े और डिस्कनेक्ट किए गए उपभोक्ताओं पर लागू होगी। निगम के अधीक्षण अभियंता राजेंद्र सभ्रवाल ने बताया कि योजना के तहत घरेलू (शहरी और ग्रामीण) उपभोक्ताओं बकाया राशि एकमुश्त या फिर 4 द्विमासिक तथा 8 मासिक किस्तों में बिलों का भुगतान कर सकते हैं। यदि एकमुश्त भुगतान किया जाता है, तो मूल राशि पर 10 प्रतिशत की छूट और पूर्ण सरचार्ज माफी दी जाएगी। किस्तों में भुगतान करने पर, नियमित बिलों के साथ सरचार्ज को किस्तों में माफ किया जाएगा। यदि कोई किस्त छूटती है और अंतिम किस्त तक बकाया चुकता नहीं होता, तो योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा। उन्होंने बताया कि कृषि उपभोक्ताओं के लिए भी योजना को लागू किया गया है। कृषि उपभोक्ता बकाया मूल राशि को एकमुश्त या 3 बिलिंग साइकिल (प्रत्येक 4 महीने में) में भुगतान कर सकते हैं। एकमुश्त भुगतान पर 10 प्रतिशत छूट और पूर्ण सरचार्ज माफी मिलेगी।

पंचायतों व नगरपालिकाओं को भी मिलेगा लाभ

सरचार्ज माफी योजना के तहत नगरपालिका व परिषद, ग्राम पंचायत और अन्य सरकारी संस्थान भी योजना के दायरे में आ सकते हैं। उन्हें एक मुश्त राशि जमा करानी होगी। इसके बाद सरचार्ज माफ कर दिया जाएगा। औद्योगिक और अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं को कुल मूल राशि के साथ 50 प्रतिशत सरचार्ज राशि का एक मुश्त भुगतान करना होगा और शेष 50 प्रतिशत सरचार्ज माफ कर दिया जाएगा।

डिस्कनेक्टेड उपभोक्ताओं के लिए पुनः कनेक्शन

डिस्कनेक्टेड उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त राशि या पहली किस्त के भुगतान पर दोबारा कनेक्शन किया जाएगा, बशर्ते डिस्कनेक्शन 6 महीने (कृषि के लिए 2 वर्ष) से पुराना न हो। इससे अधिक पुराने डिस्कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को नए उपभोक्ता के रूप में माना जाएगा। इसके लिए लागू देय शुल्क भी देना होगा।

डीडीपीओ ने समाधान शिविर में सुनीं जनसमस्याएं

सिरसा। डीडीपीओ समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते हुए।

सिरसा। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में सोमवार को जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी बलजीत सिंह चहल ने आमजन की 10 शिकायतें सुनी और अधिकारियों को जल्द समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर डीएसपी विकास कृष्ण सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डीडीपीओ बलजीत सिंह चहल ने कहा कि सभी विभाग आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ करें, ताकि आमजन को असुविधा न हो और सरकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों के शीघ्र निपटान में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

168 प्रोजेक्ट को मिली स्वीकृति

- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक का आयोजन
- झींगा पालन क्लस्टर व एक्वा पार्क के लिए भूमि चिन्हित पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत सोमवार को जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मत्स्य पालन क्षेत्र में रोजगार सृजन और किसानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। जिला स्तरीय बैठक में जिला परिषद सीईओ डॉ. सुभाष चंद्र, कृषि उपनिदेशक डॉ. सुखदेव सिंह, एलडीएम संजीव गर्ग, कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. हरदीप सिंह, मत्स्य महाविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक डॉ. नितेश बंसल, मत्स्य अधिकारी संदीप व सिमरनजीत सिंह उपस्थित रहे। जिला मत्स्य अधिकारी जगदीश चंद्र ने बताया कि बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए 168 प्रोजेक्ट को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें मछली पालन के लिए तालाब खुदाई, वातानुकूलित वाहन, आइस बॉक्स, मछली आहार के लिए फीड मील तथा खारे पानी में झींगा पालन की योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं के तहत पात्र किसानों को विभागीय अनुमोदन के बाद अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला सिरसा को झींगा पालन के लिए क्लस्टर के रूप में स्थापित करने की योजना को भी मंजूरी दी।

25 एकड़ पर बनेगा एक्वा पार्क

जिला मत्स्य अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री हरियाणा की घोषणा के अनुरूप सिरसा में एक्वा पार्क स्थापित करने के लिए कम से कम 25 एकड़ भूमि की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि गांव कर्मसाना की पंचायत भूमि का उपयोग एक्वा पार्क की स्थापना के लिए किया जा सकता है, जिसके लिए ग्राम सभा का आयोजन कर सहमति ली जाएगी। अतिरिक्त उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि जिन पंचायतों के पास जमीन खाली पड़ी है, उसका उपयोग मछली पालन के लिए कर बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराया जाए।

सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

- राम विहार और सुंदर नगर में घरों के आगे बने अवैध रैम्प हटवाने की मांग
- एसडीएम ने समाधान शिविर में सुनीं नागरिकों की शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम राजेश कुमार व नगराधीश गौरव गुप्ता ने नागरिकों की शिकायतें सुनी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटान करवाना सुनिश्चित करें। शिकायत का निपटान करने उपरांत समाधान प्रकोष्ट पोर्टल पर भी अपडेट करें। सरकार के दिशा निर्देशानुसार सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर रतिया व टोहाना में आम नागरिकों की शिकायतों को सुनने के लिए सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। इन शिविरों में आमजन अपनी शिकायतें रखकर समाधान करवा सकते है उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल काफी कारगर सिद्व साबित हो रही है। इस पहल से नागरिकों को अब एक से दूसरे कार्यालय के चक्कर काटनें से निजात मिली है। प्रत्येक शुक्रवार को सरकार के उच्च अधिकारियों द्वारा शिकायतों का रिव्यू किया जा रहा है।

फतेहाबाद। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते अधिकारी।

कुल 4 शिकायतें प्राप्त

आज के समाधान शिविर में कुल 4 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से एक शिकायत का मौके पर निपटान किया गया। गांव दैयड़ निवासी रामकुमार ने आयुष्मान कार्ड बनवाने बारे शिकायत रखी जिसका मौके पर ही आयुष्मान कार्ड जारी कर दिया गया। इसके अतिरिक्त समाधान शिविर में स्थानीय निवासी पुष्पा रानी ने पीपीपी में इनकम कम करवाने व राशन कार्ड बनवाने बारे, गांव गाजुवाला निवासी दर्शन सिंह ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने, मोहल्ला सुंदर नगर निवासी ने राम विहार व सुंदर नगर कालोनी में घरों के आगे बने अवैध रैंप हटवाने बारे शिकायत रखी। शिकायत को सुनने उपरांत नगराधीश ने शहरी स्थानीय विभाग के अधिकारी को आदेश दिए कि वे मौके पर जाकर इसकी जांच करें।

मनचलों पर कार्रवाई

पटाखे बजाने पर 35 बुलेट बाइक इम्पाउंड

- ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन के निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है। डीएसपी ट्रैफिक कुलवंत सिंह की अगुवाई में ट्रैफिक पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही आमजन को यातायात नियमों का पालन करने बारे भी जागरूक किया जा रहा है। बुलेट बाइक से पटाखे की आवाज निकालकर क्षेत्र में दहशत पैदा करने वाले तथा मॉडिफाइड साइलेंसर युक्त बुलेट पर विशेष तौर पर पैनी नजर रखी जा रही है। बीते सप्ताह जिले में 35 बुलेट का पटाखा बजाने पर कार्यवाही करने के साथ-साथ उसका साइलेंसर भी उतरवाया गया। बीते सप्ताह के दौरान ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से काफी सख्ती से पेश आई। गत सप्ताह के दौरान यातायात पुलिस द्वारा कुल 2000 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई।

फतेहाबाद। बुलेट पर पटाखे बजाने वालों पर कार्रवाई करते ट्रेफिक पुलिस कर्मचारी।

70 वाहन चालकों पर कार्रवाई

पुलिस द्वारा मुख्य रूप से वाहन पर बिना नंबर प्लेट के 52, ब्लैक फिल्म का 9, शराब पीकर गाडी चलाने वालों के 12, लेन ड्राइविंग 196 तथा मोटरसाइकिल पर तीन सवारी के 70 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि आमजन वाहन चलाते समय यातायात नियमों के प्रति लापरवाही बरतते हैं, जिसकी वजह से हम खुद सहित दूसरों के जीवन को खतरे में डालते हैं।

जमीन खरीद के नाम पर 14 लाख ठगे

- पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

एयरफोर्स में कार्यरत गांव खारिया निवासी व्यक्ति से शातिर लोगों ने जमीन खरीद बेच के नाम पर 14 लाख रुपए की ठगी कर डाली। पुलिस ने इस संबंध में पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुनीत नंदा, श्वेता नंदा निवासी मकान नं 1088 सेक्टर 8, चंडीगढ़, जितेंद्र कुमार नंदा निवासी मुज्जफरपुर नगर उत्तर प्रदेश, मंजुला पत्नी जीबी जिवा नंदम, डी सुधाकर, विनोद कुमार, एम पेदा पुत्र नरसिमूलू, कलर्स ऑनलाईन मनैजमेंट इंजन बजरिया ऑथोराईजड पर्सन एमडी, मैनेजर, प्रोपराइटर, आंध्रा फ्रूट एंड लैंडस, कलर्स बिल्ड टैग प्राइवेट लिमिटेड, प्रदीप मलिक एजेंट, अमित त्यागी एजेंट के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दिए बयानों में गांव खारियां निवास बिमला देवी ने बताया कि उसका पति भारतीय एयरफोर्स में कार्यरत है। उसने बताया कि वे कुछ जमीन खरीदने के इच्छुक थे। उसके पति की मुलाकात पुनित नंदा निवासी चंडीगढ़ से हुई। उसने कहा कि आप भी जमीन खरीद लो। उसका पति आरोपियों से मिला और आरोपियों ने कंपनियों के दस्तावेज दिखाए और कलर्स बिल्ड टैक लि. की बुकलेट दी, जिसमें लिखा था कि एक व्यक्ति 54 एकड़ तक जमीन खरीद सकता है और लैंड खरीदने के बाद कंपनी को देने पर 3 साल व ढाई साल में अलग-अलग रिटर्न की बात कही, जिनके विश्वास में आकर उसके पति ने आरोपियों के खातों में 14 लाख रूपए अलग-अलग ट्रांसफर कर दिए। बाद में पता चला की आरोपी मुंजला के नाम कोई रकबा नहीं है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

शादी में हुए विवाद के बाद मां-बेटे पर युवकों ने हमला कर किया घायल, मामला दर्ज

फतेहाबाद। गांव बनमंदौरी में शादी में हुए विवाद के बाद चार युवकों ने मां-बेटे पर हमला कर घायल कर दिया और उन्हें जातिसूचक गालियां दी। घायल मां-बेटे को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में भट्टकलां पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बनमंदौरी निवासी सुमन ने कहा है कि उसका 17 साल का लडक़ा सुनील गांव के ही नरेश की शादी में खाना खाने गया था। शादी में उसकी अशोक निवासी बनमंदौरी के साथ किसी बात को लेकर तू-तड़ाक हो गई। इसके बाद सुनील घर आ गया। उसी समय संजय पुत्र इन्द्रजीत, अशोक पुत्र बलबीर, कुलदीप उर्फ कालू पुत्र दिलशाद निवासी बनमंदौरी व मोनू पुत्र श्रवण निवासी ढाणी सीसवाल दो मेटरसाइकिलों पर आए और सुनील को बाहर बुलाया। सुनील जब घर से बाहर निकला तो इन लोगों ने उस पर हमला कर दिया। जब वह शोर सुनकर बाहर आई तो इन लोगों ने उन्हें जातिसूचक गालियां निकालनी शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। बाद में घायल सुनील को अस्पताल लेकर जा रहे थे तो गांव के बस स्टैण्ड पास चारों युवकों ने फिर उनका रास्ता रोका और बिन्डा उसके पैर पर मारा। लोगों को इकट्ठा होते देख चारों युवक वहां से भाग गए। बाद में घायल मां-बेटे को उपचार के लिए भट्ट के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां से सुनील को अग्रोहा रेफर कर दिया गया।

तेज आंधी के साथ हुई मूसलाधार बरसात, लाखों का नुकसान

दर्जनों पेड़ व बिजली के खंबे टूटे, सोलर प्लेट उड़ी

- आंधा में करीब डेढ़-दो लाख रुपयों का हुआ नुकसान : अनिल लढा

हरिभूमि न्यूज ⏭ऐलनाबाद

क्षेत्र में तेज आंधी के साथ हुई मूसलाधार बरसात से एक ओर जहां क्षेत्रवासियों को गर्मी व उमस से राहत मिली है। वही कई जगह पर नुकसान भी हुआ है। तेज आंधी के कारण कई जगह पर पेड़ टूट गए, वहीं दर्जनों बिजली के खंबे व बिजली की लाइन टूट गई जिससे क्षेत्र में विद्युत की आपूर्ति बाधित हुई है। तेज आंधी के कारण कई जगह पर लगी सोलर प्लेट भी उखड़कर हवा में उड़ गई। शहर की नोहर रोड पर स्थित श्री बालाजी गम इंडस्ट्री में लगी 8 सोलर प्लेट क्षतिग्रस्त होकर हवा में उड़ गई। इंडस्ट्री के मालिक अनिल लढा ने बताया कि इस हादसे में उन्हें करीब डेढ़-दो लाख रुपयों का नुकसान हुआ है। इसके अलावा भी क्षेत्र में कई और स्थानों पर आंधी तूफान के कारण नुकसान हुआ है। इधर इस बरसात के कारण शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के मुख्य बाजार में पानी भरने से दुकानदारी प्रभावित हुई और बाजार समय से पूर्व ही बंद हो गए। बिजली निगम के अनुसार सोमवार दोपहर तक बिजली व्यवस्था को सुचारू किया जा सकेगा। इस समय बिजली निगम की टीम टूटे खंभों और डैमेज लाइनों को दुरुस्त करने में जुटी हुई है। कुछ जगह नुकसान ज्यादा है तो उनको ठीक करने में समय लग सकता है।

फतेहाबाद : तेज आंधी में बिजली के 210 पोल व 4 ट्रांसफार्मर टूटे

रतिया। रविवार दोपहर बाद क्षेत्र में आई तेज आंधी के चलते जहां जीवन अस्त व्यस्त हो गया वही इस आंधी से बिजली निगम को भी पर नुकसान हुआ है क्योंकि रविवार दोपहर बाद ही आंधी से क्षेत्र में करीब 210 पोल व 4 ट्रांसफर टूट गए जिसके चलते क्षेत्र के करीब 20 गांव में बिजली व्यवस्था चरमरा गई और बिजली निगम के कर्मचारी देर शाम से रात भर बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटे रहे रविवार दोपहर बाद आई आंधी से क्षेत्र के हमजापुर महमडा, रत्ताखेड़ा,फूला ,रतनगढ़, मिराना , खाई, खैरपुर, लघुवास, पिलछियां,कमाना, हासपुर सहित करीब 20 गांवों में रात भर बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई बिजली निगम के ग्रामीण एसडीओ अशोक पानू ने बताया कि तेज आंधी से ग्रामीण क्षेत्र में करीब 191 पोल व 3 बिजली ट्रांसफर टूट गए जिनको देर शाम से रात भर बिजली कर्मचारी बिजली व्यवस्था दूर करने में जुटे रहे उन्हें बताया कि क्षेत्र में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चालू है शहरी एसडीओ सुनील कंबोज ने बताया कि तेज आंधी से उनके क्षेत्र में करीब 19 पोल व 1 ट्रांसफर में टूट गए।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

रोहतक, मंगलवार 13 मई 2025

हरिभूमि सहेली

विशेष
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

परिवार से दूर रहकर सुखी जीवन की चाहत रखना एक बहुत बड़ी भूल है। परिवार वो छाया है, जो संकट की तपती धूप में हमें शीतलता देता है, हमारा संबल बनता है। इसलिए जरूरी है हम हमेशा पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखें। परिवार के लोग प्रेम-स्नेह से बंधे रहें।

परिवार का प्रेम-स्नेह जीवन का है आधार

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

परिवार को जीवन की पहली पाठशाला कहा जाता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही यह मान्यता हर इंसान को मानवीय मूल्यों से जोड़कर रखती है। विचार-व्यवहार के मोर्चे पर जीवन को साधने का पाठ पढ़ाती है। अपनों के साथ संबल का ठिकाना कहे जाने वाले परिवार में ही तो एक छत के नीचे रहकर सुख-दुख साझा किया जाता है। हर उतार-चढ़ाव में जिंदगी से जुड़े रहने की हिम्मत बनी रहती है। परिवार, समाज की सबसे छोटी इकाई है जरूर, लेकिन समाज की बुनियाद को मजबूती देने में इस इकाई के मायने बहुत अहम हैं। समाज को बनाने और बनाए रखने में परिवार की अहमियत हमेशा से रही है, लेकिन अब परिवार के मूल स्वरूप में बिखराव साफ दिखने लगा है। यही वजह है कि हर साल घर-आंगन से जुड़े बहुत से विषयों पर विमर्श के लिए अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार दिवस को पारिवारिक ताना-बाना सहेजने की कोशिश के रूप में देखा जाता है।

मानवीय समझ को पोषण

पारिवारिक खुशहाली का समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण रोल होता है। दुनिया के हर हिस्से में परिवार ही समाज के भावी नागरिक को इंसानियत का पाठ पढ़ाता है। बुजुर्गों को स्नेह-सुरक्षा का साया मिलता है। युवा परिवार में सही मार्गदर्शन पाते हैं। रिश्तों के ताने-बाने का यह बंधन हर उम्र के लोगों को कुछ न कुछ देता ही है। यों भी जिंदगी का हर सबक अपने परिवार में ही सीखा जाता है। अपने आंगन में मिली सीख से ही आगे चलकर नई पीढ़ी का व्यक्तित्व पूर्णता पाता है। परिवार ही बड़ों की संभाल और देखभाल का आधार बनता है। हमारे फैमिली सिस्टम में मौजूद यह आपसी जुड़ाव, जो मजबूत पृष्ठभूमि बनाता है, वह हर परिस्थिति में मन-जीवन को थामती है। पारिवारिक व्यवस्था सही मायने में हमारे जीवन का आधार स्तंभ है। परिवार में साथ-साथ रहना, सुख-दुख साझा करने की सोच, अपनेपन के भाव हमें आपस में दिल से जोड़े रखते हैं। हर तरह से एक-दूसरे के साथ समन्वय और सहयोग भरा भाव ही पारिवारिक संबंधों का संबल है। परिवार में खुशियों और जिम्मेदारियों का एक अनोखा मेल होता है, जो सभी को आपस में बांधे रहता है। यही बंधन हमें अच्छे-बुरे वक्त में थामने का काम करते हैं। बड़ों को मान और बच्चों को मनुहार परिवार में ही मिल सकती है। हमारे यहां हर तबके के परिवारों में यही स्नेहपूरित सोच रही है। जीवन को साधने-समझने वाले हर मानवीय भाव-चाव को परिवार ही पोसता आया है।

बिखरता ताना-बाना सहेजने के प्रयास

हालिया वर्षों में टूटते-बिखरते परिवारों का बढ़ता आंकड़ा चिंता का विषय बन गया है। दुनिया के हर समाज में परिवार के महत्व को रेखांकित किए जाने के बावजूद पारिवारिक ढांचा बिखर रहा है। कहीं बच्चे अकेले छूट रहे हैं तो कहीं बुजुर्ग स्नेह-साथ को तरस रहे हैं। बहुत से युवा शादी कर परिवार बसाना ही नहीं चाहते तो कई कपल्स शादी के बाद अपने रिश्ते को बिखरने से नहीं बचा पा रहे हैं। दुनिया भर में पारिवारिक सुदृढ़ता के लिए सराहे जाने वाले हमारे देश में भी अब तलाक के मामले बढ़े हैं। अपनों के साथ ही बर्बरता करने के मामले भी आए दिन सामने आते हैं। बदलती लाइफस्टाइल के चलते परिवार छोटे होते जा रहे हैं। जीवन की आपा-धापी में इतना कुछ नया जुड़ रहा है कि परिवार और अपने ही पीछे छूट रहे हैं। पारिवारिक कलह के चलते लोग अपनों की जान लेने से भी नहीं चूक रहे। भावनाओं भरे जुड़ाव पर स्वार्थी सोच हावी हो रही है। वर्चुअल दुनिया में अंजान चेहरों से जुड़ने के इस दौर में अपनों की उपेक्षा की संस्कृति पनप रही है। यही वजह है कि पारिवारिक मूल्यों को सहेजने के लिए कोशिशें जरूरी हैं। बदलते हालातों से जुड़ी सजगता लाने, परिवार के प्रति लोगों में लगाव को बढ़ाने और इस संस्था की अहमियत बताने के लिए ही इंटरनेशनल फैमिली-डे मनाया जाता है। हर साल यह दिन एक खास थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। वर्ष 2025 की थीम 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां-सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' रखी गई है। जिसका उद्देश्य समाज के डेवलपमेंट के लिए परिवार की बेहतरी से जुड़ी पॉलिसीज पर फोकस करना है। साथ ही यह विषय फैमिली सिस्टम से जुड़ी मौजूदा नीतियों और मुद्दों के एनालिसिस और रिव्यू से भी जुड़ा है। समझना मुश्किल नहीं कि मौजूदा पॉलिसीज को समझकर ही भविष्य में पारिवारिक मूल्यों को बेहतर बनाने की राह तलाशी जा सकती है।

अपनों का प्रेम-साथ-स्नेह अनमोल

असल में व्यवस्थागत प्रयासों के साथ हमें भी परिवार से जुड़ाव के अर्थ को समझना होगा। सब कुछ बनाने-जुटाने के फेर में गांवों से लेकर मेट्रो सिटीज तक लोग यह भूल रहे हैं कि परिवारजनों के बीच साझे सुख-दुःख की भावना ही रीत रही है। आज भावनात्मक दूरियां बढ़ रही हैं। ऐसे में हमें याद रखना होगा कि परिवार के सभी सदस्यों को भावनाओं की डोर से बंधे रहना चाहिए। अपनों का साथ हर किसी के मन को छोटी से छोटी खुशी में भी अनमोल सुख देता है। रिश्तों का यह ताना-बाना स्नेह बांटना भी सिखाता है और खुशियों को जीना भी। फाइनेंशियल परेशानी हो या बीमारी, अपने ही तो हर कष्ट में साथ खड़े नजर आते हैं। इतना ही नहीं अपनों का साथ पाकर हर तरह के दुःख से जूझने की शक्ति भी मिलती है। कई समस्याएं दिलो-दिमाग को विचलित किए बिना ही हल हो जाती हैं। संबल और सुख का यह परिवेश परिवारजनों के साथ रहकर ही संभव है। तीज-त्योहारों की रौनक भी अपनों के साथ से ही होती है। मन में उत्साह-उमंग जगाने वाली खुशियां, परिवार के साथ बिना अधूरी-सी लगती हैं। घर-परिवार से मिलने वाला सुख-समर्पण का यह भाव ही हमें समाज और देश से जोड़ता है। समझना मुश्किल नहीं कि स्ट्रेस, डिप्रेशन और अकेलेपन से जूझते लोगों के आंकड़े में इजाफे का एक कारण पारिवारिक टूटन भी है। अपनी जड़ों से जुड़ाव रखना हो या मन-जीवन की जद्दोजहद का सामना करना, परिवार का साथ बहुत मायने रखता है। अपनों के बीच अनमोल साथ स्नेह को कायम रखने वाली कुटुंब व्यवस्था की भूमिका सुरक्षा, सेहत और संभाल हर पहलू पर अहम है।

दुख बांटने का सुख एक मानवीय अनुभव

सुख-दुख हर किसी के जीवन में आते हैं। लेकिन दुख साझा करने से उसे सहना थोड़ा आसान हो जाता है। इसलिए घर-परिवार में या कोई भी जानने वाला अगर दुख में दिखे तो उसका सहारा बनें, उसका दुख जरूर बांटें।

संवेदना
यशोधरा भटनागर

रहीम का एक दोहा है- रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय/ सुनि अठिलैहैं लोग सब, बांटि न लैहैं कोय।। इस दोहे का मतलब है कि अपने मन के दुख को मन में ही रखना चाहिए। दूसरों का दुख सुनकर लोग इठला भले ही लें, लेकिन उसे कम करने वाला कोई नहीं होता। साथ ही, लोग दूसरे का कष्ट सुनकर उसका उपहास भी उड़ाते हैं। वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि दुख बांटने से कम होता है। सच ही है, दुखों को हल्का करने के लिए, सिर रख कर रोने के लिए एक कंधा मिल जाए तो दुख कम तो नहीं होता पर एक ऐसा एहसास जुड़ जाता है, जो व्यक्ति के लिए संबल बन जाता है और वह दुख का सामना करने की शक्ति पा जाता है।

जीवन को गतिमान बनाते हैं सुख-दुखः मनुष्य का जीवन सुख और दुख के द्वंद्व में सदा गतिमान रहता है। सुख हमें आनंद देता है, परंतु दुख हमारी सहनशीलता, हमारे रिश्तों और हमारे भीतर छुपे मानवीय गुणों की परीक्षा लेता है। दुख एक ऐसा अनुभव है, जिसे यदि अकेले सहा जाए तो वह भारी लगता है, लेकिन यदि इसे किसी के साथ बांटा जाए, तो यह हल्का लगता है, एक अनोखे सुख का भी रूप ले लेता है। यह सुख गहरे मानवीय संबंधों और सहानुभूति के मूल्य को दर्शाता है। इसलिए हमें अपने आस-पास के लोगों का दुख बांटना चाहिए, दुखी व्यक्ति को अकेले नहीं छोड़ देना चाहिए। अस्सी वर्षीया शांति देवी की आंखें उस दिन बार-बार बरस रही थीं। पति का जन्मदिन जो था। भावों का तीव्र प्रवाह हृदय को उद्वेलित कर रहा था। सात बरस हो गए पति के देहांत हुए, लेकिन आज भी वह आस-पास ही महसूस होते हैं। शांति देवी पल भर भी उन्हें भुला नहीं पाई हैं। पहाड़-सा दुख मन पर डटा खड़ा है। दीवारों से घिरी वो अकेली हैं, नितांत अकेली। वे दीवारों से ही बतियाती हैं। दीवारें मौन हैं और दुख का पहाड़ उतना ही बड़ा। यह आज के समाज का विद्रूप-कुरूप चेहरा है।

कम होता है भावनात्मक बोझः दुख एक मानसिक और भावनात्मक बोझ है। इसे बांटने की प्रक्रिया न केवल इस बोझ को हल्का करती है, बल्कि उसमें छुपे तनाव, अकेलेपन और हताशा को भी कम करती है। यह वही प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर के भावों को शब्दों के माध्यम से बाहर निकालता है। एक सच्चे मित्र या हमदर्द के साथ ऐसा करने से व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि कोई उसे समझ रहा है, उसकी पीड़ा में शामिल है। यह विश्वास ही उसे मानसिक और भावनात्मक सुकून देता है।

दुख सुनाने और सुनने वाले बंधते हैं अदृश्य बंधन में: हर व्यक्ति को जीवन में ऐसे किसी साथी की आवश्यकता होती है, जो उसके दुख को सुन सके, उसे समझ सके। मित्रता और हमदर्दी इस प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। एक सच्चा मित्र न केवल हमारे सुख के पलों का सहभागी होता है, बल्कि हमारे दुख के समय एक आश्रय भी बनता है।

मिलती है आंतरिक संतुष्टिः जब हम किसी के साथ अपना दुख साझा करते हैं, तो हमें एक आंतरिक संतुष्टि मिलती है। यह संतोष इस बात का प्रतीक है कि हमने अपने भावनात्मक बोझ को हल्का किया है।

प्रॉपर मेकअप से मिलेगा अट्रैक्टिव लुक

मेकअप
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आकर्षक-खूबसूरत दिखने के लिए आप हर पॉसिबल स्टेप फॉलो करती हैं। अगर किसी पार्टी में जाना हो तो स्टाइलिश ड्रेस चुनती हैं, ताकि सबसे अलग दिखें। लेकिन अच्छी ड्रेस भी आपकी ब्यूटी को तभी उभारता है, जब मैचिंग मेकअप अप्लाई किया जाए। हालांकि मेकअप तो सभी महिलाएं करती हैं लेकिन सही तरीके से किया गया मेकअप ही आपके लुक को निखार सकता है। इसके लिए जरूरी है कि आपको मेकअप करने का सही तरीका पता हो। अगर आप मेकअप करने से पहले यह तय ही नहीं कर पाती हैं कि आपको किस तरह का मेकअप करना है और कैसा मेकअप आप पर अच्छा लगेगा, तो हम आपको सिंपल लेकिन इंप्रेसिव मेकअप स्टेप्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

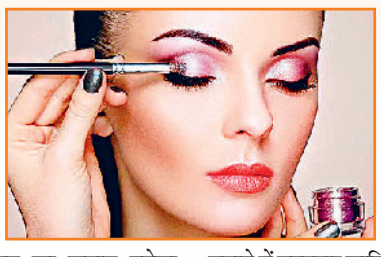

बेस तैयार करें: मेकअप बेस तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले प्राइमर लगाना चाहिए। इसके बाद चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं और फाउंडेशन का चुनाव हमेशा अपनी स्किन टोन से एक टोन अपर शेड का सेलेक्ट करें। इसके बाद आप फेस पावडर लगाएं। अगर आप गालों को हाईलाइट करना चाहती हैं, तो पीच ब्लश ऑन का भी इस्तेमाल करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि फाउंडेशन लगाने के बाद गीले स्पंज को चेहरे पर डैब करें, ताकि फाउंडेशन अच्छे से ब्लेंड हो जाए।

आई मेकअपः निखरी खूबसूरती पाने के लिए आंखों का परफेक्ट मेकअप भी बहुत मायने रखता है। अच्छा आई मेकअप आपके पूरे लुक को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आपको सबसे पहले आंखों के आस-पास की स्किन और पलकों के ऊपरी हिस्से पर बेस तैयार करना चाहिए और प्राइमर और फाउंडेशन लगाना चाहिए। आप आंखों को यदि बड़ा दिखाना चाहती हैं, तो लाइट आईशैडो का इस्तेमाल करना चाहिए। आप काजल और आईलैशेज का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

लिपस्टिकः लिपस्टिक का चुनाव करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि डे पार्टी में लाइट और न्यूड शेड्स की लिपस्टिक कैरी करें और नाइट पार्टी में डार्क रेड, ब्राउन या फिर डार्क पिंक कलर की लिपस्टिक अप्लाई करें। होंठों के आकर्षण के लिए लाइट और नेचुरल कलर्स का उपयोग करना चाहिए। ज्यादा डार्क या ब्राइट कलर लगाने से परहेज करना चाहिए। लिपस्टिक की रंगत चुनते समय अपनी स्किन शेड को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपकी स्किन टोन में पीलापन है तो ऑरेंज कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। डस्की स्किन के लिए यलो कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। गर्मियों में सामान्य त्वचा के लिए हल्के रंग बेहतर लगते हैं, लेकिन सांवली रंगत के लिए चमकीले रंग बेहतर होंगे। आप डार्क यलो शेड्स का प्रयोग भी कर सकती हैं। रात में होंठों से लिपस्टिक हटाना न भूलें। लिपस्टिक के बचे रंग होंठों को सूखा कर सकते हैं।

आप नया घर बनवा रही हैं या पुराने घर का रिनोवेशन करवा रही हैं तो आप जरूर किचेन को भी आकर्षक डिजाइन में देखना चाहेंगी। इसलिए हम आपको यहां बता रहे हैं, कुछ मॉडर्न किचेन डिजाइंस के बारे में।

अट्रैक्टिव-कंफर्टेबल मॉडर्न किचेन डिजाइन

इंटीरियर
रेणु लैसी फ्रांसिस

हर घर में रसोई यानी किचेन का खास महत्व होता है। यहीं पर आप पूरे परिवार के लिए खाना-नाश्ता बनाती हैं। होम मेकर्स के दिन का काफी समय यहीं बीतता है। इसलिए इसका इंटीरियर न केवल आकर्षक बल्कि सुविधाजनक भी होना चाहिए। हालांकि पुराने दौर में घरों में जिस तरह के किचेन हुआ करते थे, आज उसके स्वरूप में काफी बदलाव हुए हैं। जैसे-जैसे तकनीक में सुधार हुआ, किचेन में सुविधाएं भी बेहतर होती गई हैं। आजकल मॉड्यूलर किचेन महिलाओं की पहली पसंद बन रही है। नए इंटीरियर ट्रेंड में किस तरह के किचेन पसंद किए जा रहे हैं, आप जरूर जानना चाहेंगी।

ओपन किचेनः आजकल विदेशों की तरह अपने यहां भी घरों में ओपन किचेन लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। यह डायनिंग रूम और हॉल के साथ ही बनाए जाते हैं। ओपन किचेन में कोई दरवाजा नहीं होता, यह बिल्कुल खुला हुआ होता है। चारों तरफ से रोशनी और हवा आती रहती है। आप इस किचेन में काम करते हुए अन्य लोगों से बातचीत भी कर सकती हैं। आप किसी इंटीरियर डिजाइनर की सलाह से ओपन किचेन बनवा सकती हैं।

वाल किचेनः छोटी जगह के लिए वाल किचेन एक अच्छा ऑप्शन है। आजकल लोग एक दीवार वाला किचेन ज्यादा बनवाना पसंद कर रहे हैं। आप रसोई के सामानों को एक दीवार के साथ व्यवस्थित रख सकती हैं। जिससे सब कुछ आसानी से एक ही जगह मिल जाता है। किचेन में सामानों को स्लाइडिंग दरवाजे के पीछे या कैबिनेट के भीतर रखा जा सकता है। आप एक सामान के ऊपर दूसरा सामान भी रख सकती हैं, जिससे छोटी जगह का भी उपयोग ईजीली हो जाता है।

एल शेप किचेनः आजकल एल शेप के किचेन भी काफी बनवाए जा रहे हैं। यह छोटी और बड़ी दोनों जगहों पर आसानी से बन जाता है। इसमें आप कम जगह में ज्यादा सामान को आसानी से स्टोर कर सकती हैं। कुकिंग एरिया और स्टोर को अलग दो भाग में बनाने के लिए आजकल एल शेप के किचेन ज्यादा बनाए जा रहे हैं। एक तरफ खुली जगह जहां आप खाना बना सकती हैं। दूसरे भाग में आप सामान रख सकती हैं। अगर आपके पास छोटा किचेन स्पेस है तो एल शेप का किचेन बनवा सकती हैं।

पैरेलल किचेनः ऐसा किचेन कम जगह में आसानी से बन जाता है। अगर आपके घर में स्मॉल गैलरी जैसा शेप है तो आप यहां पैरेलल किचेन बनवा सकती हैं और किचेन को क्लासिक लुक भी दे सकती हैं। पैरेलल किचेन में एक समय में एक से अधिक व्यक्ति काम नहीं कर पाते हैं।

यू शेप किचेनः आपके घर में ज्यादा और बड़ी जगह है तो आप यू शेप का किचेन बनवा सकती हैं। इसमें आपको स्पेशियस स्टोरेज की सुविधा मिलेगी। यू शेप के किचेन में आप आसानी से सिंक, कुकटॉप, ओवन और रेफ्रिजरेटर को रख सकती हैं। यू शेप के किचेन में दो-तीन लोग आराम से एक साथ काम कर सकते हैं। आपका परिवार बड़ा है तो यू शेप किचेन को बनवाने में ही समझदारी है।

(इंटीरियर डिजाइनर वरिजा बजाज से बातचीत पर आधारित)

तब आपका मन नहीं होगा बीमार

आजकल अनेक महिलाएं कई वजहों से अलग-अलग मनोरोगों की शिकार हो रही हैं। क्यों होता है ऐसा, इसके लक्षणों को कैसे पहचानें और इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? यहां बता रहे हैं डिटेल में।

मेंटल हेल्थ
डॉ. विपुल रस्तोगी
सीनियर साइकिएट्रिस्ट, गुरुग्राम

आज लोगों की जीवनशैली में व्यस्तता इतनी ज्यादा बढ़ रही है कि उनके पास खुद पर ध्यान देने और अपने परिवार के सदस्यों से भी बातचीत करने का समय नहीं होता है। इस तनावपूर्ण जीवनशैली के प्रभाव से महिलाएं भी अछूती नहीं हैं। इस दबाव की वजह से हमेशा उनका मन अशांत और उदास रहता है, वे स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की शिकार हो जाती हैं। इनके बारे में आपको पता होना चाहिए।

मेंटल स्ट्रेसः पुराने समय की तुलना में आज की महिलाओं का जीवन ज्यादा मुश्किलों से भरा है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और शहरों में न्यूक्लियर फैमिली की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थिति में होममेकर्स के आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होता, जिसके साथ वे अपने मन की बातें शेयर कर सकें। इसकी वजह से उनका तनाव बढ़ने लगता है।

प्रमुख लक्षणः उदासी, चिड़चिड़ापन, थकान, अनिद्रा, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कार्य क्षमता का घटना और निराश हो जाना इसके प्रमुख लक्षण हैं।

बचाव-उपचारः नए लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, प्रियजनों के साथ मन की बातें शेयर करें, म्यूजिक सुनें, बागवानी या स्पोर्ट्स जैसी एक्टिविटीज में अपनी सक्रियता बढ़ाएं। नियमित रूप से योग और प्राणायाम करें। सही ढंग से टाइम मैनेजमेंट करते हुए अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अगर इन प्रयासों के बावजूद तनाव कम न हो तो मनोवैज्ञानिक से संपर्क करें।

एंग्जायटीः यह ऐसी मनोदशा है, जिसमें अत्यधिक चिंता, डर या बेचैनी महसूस होती है। खान-पान की गलत आदतों के कारण होने वाले हार्मोन संबंधी असंतुलन भी इसके लिए जिम्मेदार हैं।

प्रमुख लक्षणः मन में बार-बार नकारात्मक विचार आना, हमेशा सशंकित रहना, वर्तमान को छोड़कर भविष्य के बारे में लगातार सोचते रहना, खुद को लाचार महसूस करना, दिल की धड़कन तेज होना, पसीना आना, थकान और सांस लेने में तकलीफ होना।

बचाव-उपचारः सोने-जागने का समय सुनिश्चित करें, जब मन परेशान हो तो गहरी सांस लें, योग और ध्यान करें, करीबी लोगों के साथ इस समस्या के बारे में खुलकर बातचीत करें, हमेशा अच्छा सोचें और मोटिवेशनल किताबें पढ़ें। इन प्रयासों के बावजूद अगर आपकी मनोदशा में कोई बदलाव न आए तो एक्सपर्ट से सलाह लें।

डिप्रेशनः अगर किसी व्यक्ति के मन में उदासी और जीने से अरुचि की भावना लंबे समय तक बनी रहे, तो ऐसी मनोदशा को डिप्रेशन कहा जाता है। आजकल महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है।

प्रमुख लक्षणः अकेलापन और खालीपन महसूस करना, ज्यादा सोना या अनिद्रा, ओवर ईटिंग या भूख न लगना, हीन भावना, आत्मविश्वास में कमी, डिप्रेशन के लक्षणों में शामिल हैं।

बचाव-उपचारः अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें, खुशमिजाज लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, कॉमेडी शोज देखें, बच्चों के साथ वक्त बिताएं, घूमने-फिरने जाएं, धार्मिक गतिविधियों में शामिल हों, बागवानी करें या घर में कोई पालतू जानवर रखें। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास डिप्रेशन दूर करने में मददगार होते हैं। जरूरत महसूस होने पर साइकिएट्रिस्ट से सलाह लें।

प्रस्तुतिः विनीता

खबर संक्षेप

मनजोत ने स्टेट वुशु में जीता स्वर्ण पदक

फतेहाबाद। बहादुरगढ़ में आयोजित सब जूनियन पुरूष एवं महिला हरियाणा स्टेट वुशु चैंपियनशिप में फतेहाबाद के डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की 9वीं कक्षा की छात्रा मनजोत ने स्वर्ण पदक जीता है। यह प्रतियोगिता 10 से 11 मई को आयोजित की गई। मनजौत की मां कृष्णा देवी पुलिस में ईएचसी के पद पर हैं जबकि पिता सुनील कुमार प्राइवेट नौकरी करते हैं। फतेहाबाद पुलिस लाइन में रहने वाली मनजोत की मां ईएचसी कृष्णा देवी ने बताया कि बच्चों को खेलों में आगे बढ़ाने में स्कूल के स्टाफ का पूरा सहयोग रहता है, विशेषकर स्कूल प्रिंसिपल डॉ. अरुण शर्मा हमेशा बच्चों के करियर के लिए तत्पर रहते हैं।

एसपी ने गुम हुए मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे

सिरसा। साइबर सुरक्षा शाखा डबवाली ने मोबाइल गुम होने की शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए अप्रैल माह में 10 शिकायतों का निपटारा कर लाखों रुपए कीमत के गुम हुए 10 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने अपने कार्यालय में गुमशुदा मोबाइल के असल मालिकों को बुलाकर उन्हें मोबाईल फोन सौंपे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला डबवाली की साइबर सुरक्षा शाखा में मोबाइल गुम होने की शिकायत आती रहती है। जिसकी जांच करते हुए साइबर सुरक्षा शाखा प्रभारी सहायक सब इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह व उनकी टीम ने अप्रैल माह में 10 मोबाइल फोन की बरामदगी की है और उनके असल मालिक को मोबाईल सौंपे गए।

जागरूकता के लिए आयोजित होंगे सेमिनार

फतेहाबाद। युवा कार्यक्रम एवं उद्यमिता विभाग, हरियाणा के सौजन्य से युवा मामलों के तहत जिला के खंड फतेहाबाद, नागपुर व भट्टू कलां में 13 मई से 15 मई तक खाद्य सुरक्षा एवं मिलावट के प्रति जागरूकता को लेकर विशेष सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इन सेमिनार में आमजन को वर्तमान समय में खाद्य पदार्थों में हो रही मिलावट एवं खाद्य सुरक्षा से संबंधित संपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी।

मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी को दबोचा

सिरसा। पुलिस ने कोचिंग संस्थान नजदीक बस स्टैंड क्षेत्र से बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान संजय पुत्र चंद्रभान निवासी जमाल बस्ती गांव कोटली सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मनजीत सिंह पुत्र कैरवभान निवासी गांव सरफाबाद थाना सफीदो, जिला जींद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते वर्ष 21 जून को वह बस स्टैंड के नजदीक हिसार रोड सिरसा पर स्थित कोचिंग संस्थान में इंरव्यू देने के लिए आया था। तभी उसकी बाइक चोरी हो गई।

भाविप शुरू करेगा सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

फतेहाबाद। अशोक नगर व आसपास की अन्य बस्तियों की बालिकाओं व महिलाओं का सिलाई कार्य का प्रशिक्षण देकर स्वावलंबी और सक्षम बनाने को लेकर भारत विकास परिषद द्वारा स्थाई प्रकल्प के रूप में सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र शीघ्र शुरू किया जाएगा। यह निर्णय परिषद् की स्थानीय शाखा की मासिक बैठक में लिया गया। माजरा रोड स्थित बागबां में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए परिषद के प्रांतीय संरक्षक सीपी आहूजा ने कहा कि इस प्रकल्प के तहत महिला वर्ग प्रशिक्षण लेकर जहां स्वावलंबी बनेगी वहीं वो आय अर्जन कर आर्थिक रूप से भी सक्षम होगी। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही परिषद द्वारा संचालित माजरा रोड स्थित बागबां में सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र शुरू किया जाएगा, जिसमें प्रशिक्षित ट्रेनरों द्वारा प्रशंसकों दिया जाएगा। बैठक में परिषद के राष्ट्रीय समन्वयक संस्कार केके अरोड़ा ने परिषद परिवार के सदस्यों से किसी भी आपात स्थिति से लगाए जाने वाले रक्तदान शिविर में रक्तदान के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

एमएम कॉलेज में सेमिनार, टीएमएस बारे छात्राओं को किया जागरूक

महिलाओं की यात्रा को सुरक्षित बनाएगी ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा : इंस्पेक्टर मंजू

छात्राओं को 112 एप व दुर्गा शक्ति एप के महत्व के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

महिला सुरक्षा को लेकर जिला पुलिस पूरी तरह तत्पर है। अगर कोई महिला रात के समय कहीं से आ रही हो, वह अकेली होने पर भी किसी भी परिस्थिति में खुद को असुरक्षित महसूस न करें। आपकी एक कॉल पर महिला पुलिस आपकी सहायता के लिए पहुंच जाएगी व ट्रिप मॉनिटरिंग के तहत महिला को उसके गंतव्य स्थान पर सकुशल पहुंचा देगी। यह बात फतेहाबाद पुलिस की महिला जागरूकता टीम प्रभारी इंस्पेक्टर मंजू ने फतेहाबाद के एमएम कॉलेज में सोमवार को आयोजित सेमिनार में छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने छात्राओं को 112 एप व दुर्गा शक्ति एप के महत्व बारे जानकारी दी और अपील की कि यह दोनों एप्प हर महिला के पास होनी चाहिए। छात्राओं को जिला पुलिस की दुर्गा शक्ति टीम से ईएचसी सुनीता व कांस्टेबल सुनीता ने भी संबोधित कर महिला सुरक्षा को लेकर अनेक जानकारियां साझा की। कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने अतिथियों का स्वागत किया। एमएम कॉलेज महिला सैल इंचार्ज डॉ. मीनाक्षी कोहली की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर नितिन सचदेवा, प्रो. प्रीत सहित अनेक स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। छात्राओं को टीएमएस यानि ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा बारे जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर मंजू ने कहा कि अक्सर आपने देखा होगा कि महिलाएं जब रात को घर पर देरी से आती हैं तो परिवार के लोग उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं। बार-बार फोन कर उनका हाल चाल जानते रहते हैं लेकिन अब लोगों की चिंता थोड़ी कम हो जाएगी, क्योंकि हरियाणा पुलिस ने एक बेहतर पहल शुरू की है। उन्होंने बताया कि महिलाओं के सुरक्षित सफर के लिए हरियाणा पुलिस ने ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा शुरू की है। इस सुविधा के तहत पुलिस अब महिलाओं को घर तक सुरक्षित पहुंचाने का काम करेगी।

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में विद्यार्थियों को संबोधित करते इंस्पेक्टर मंजू।

महिलाएं 112 पर फोन कर ले सुविधा

रात में कैब और ऑटो में सफर करने वाली महिलाएं 112 पर फोन कर ट्रिप मॉनिटरिंग की सुविधा ले सकती हैं। उन्होंने बताया कि यह सुविधा लेने के लिए महिला को सबसे पहले 112 पर फोन करना होगा और वेब-आधारित फॉर्म के माध्यम से अपनी यात्रा का पंजीकरण करवाएंगी। सभी जानकारी देने के बाद महिला का ट्रिप शुरू होगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस के जवान जीपीएस से महिला के ट्रिप को मॉनिटर करेंगे। हर आधे और एक घंटे बाद कंट्रोल रूम से फोन कर महिला की कुशलक्षेम भी पूछी जाएगी। यात्रा के दौरान यदि कैब या ऑटो बीच में रुकता है या फिर रूट में बदलाव होता है, तभी पुलिस महिला को फोन कर जानकारी हासिल करेंगी। कुछ भी गलत होने पर सबसे पास स्थित पुलिस के इंमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल को भेजा जाएगा। इसके अलावा आपातकालीन नंबर पर भी संपर्क किया जाएगा। महिला का सफर सुरक्षित पूरा होने के बाद भी पुलिस फोन कर जानकारी लेगी। इंस्पैक्टर मंजू ने कहा कि दिन हो या रात अब महिलाएं सुरक्षित सफर कर सकेंगी। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे अपनी यात्रा के दौरान पुलिस द्वारा दी जा रही ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा का प्रयोग करें।

फतेहाबाद। लोगों से बातचीत करते सांसद सुभाष बराला। फोटो : हरिभूमि

अग्रवाल सभा व ब्राह्मण सभा के नवनियुक्त प्रधानों से मिले सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अग्रवाल सभा टोहाना के नवनियुक्त प्रधान सुरेन्द्र गर्ग और ब्राह्मण सभा टोहाना के प्रधान ललित मोहन से मुलाकात की। राज्यसभा ने दोनों प्रधानों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरे समर्पण और उत्कृष्टता के साथ करेंगे।

सांसद सुभाष बराला ने कहा क्षेत्र की प्रगति के लिए सभी सामाजिक, धार्मिक और अन्य संस्थाओं का सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा अग्रवाल सभा और ब्राह्मण सभा जैसी संस्थाएं हमारे समाज की महत्वपूर्ण संस्थाएं है। सामाजिक संस्थाएं धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के जरिए समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देती है। वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, सामाजिक सेवा शिविर और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से सभाएं समाज को जोडने और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि विकास कार्यों के लिए जब भी सहयोग की आवश्यकता होगी, तो हमेशा उनका सहयोग रहेगा। इसके साथ ही, राज्यसभा सांसद ने गणमान्य नागरिकों और स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की।

ये रहे मौजूद

इस दौरान वेद जांगड़ा, लाली चांदपुर, रणवीर सरपंच, सुरजीत डांगरा, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप डांगरा, रविंद्र मेहता, जीता कन्नड़ी, टिंकू परता, हनुमान लहरी, डॉ मदन, बलविंदर सैनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ग्रामीण को करवाया विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास

गांव बरसीन में गया योग शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

आयुष विभाग और हरियाणा योग आयोग के द्वारा गांव बरसीन में हरियाणा योग आयोग के फेसबुक पेज पर लाइव अंतरराष्ट्रीय योग डे प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाया गया। इस कार्यक्रम में सरपंच, पंच के साथ गांव के कई लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर आयुष योग सहायक ज्योति द्वारा योग प्रोटोकॉल करवाया गया जिसमें ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, सेतुबंद आसान, कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी अथवा ध्यान आदि क्रियाएं करवाई गई। योग विशेषज्ञ अंबिका पांटा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य योग अभ्यास के अनेक लाभों के बारे में विश्व को जागरूक करना है। योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। हम लोगों का प्रथम दायित्व है कि हम योग को पूरे विश्व में फैलाएं, उसके लिए हमें पहले शुरुआत खुद से करनी होगी। योग की इस लहर को अपने परिवार के साथ शुरू करके समाज, राष्ट्र और विश्व तक लेकर जाना है। इस मौके पर आयुष योग सहायक सुरेंद्र, साहिल, सोनू, जन्नत, कविता, पवन, श्रवण, मनोज, एलिस, पूजा, सुरेश, बालिका सरपंच अस्तुति कंबोज, पंच उषा रानी, रवि कुमार, रंजना, मनीषा, प्रतिज्ञा, कोमल, सिमरन, सृष्टि, मिस्टी, राजरानी आदि गांव के लोग उपस्थित थे।

फतेहाबाद। आयुष विभाग द्वारा गांव बरसीन में योग शिविर में विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

अंडर-14 वर्ग में देव में स्वर्ण पदक जीता

जोनल प्रतियोगिता में अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने हाल ही में आदर्श स्कूल, करनाल में आयोजित सीआईएससीई जोनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अपने नाम किए और क्षेत्रीय खेलों के लिए चयनित होकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। अंडर-17 आयु वर्ग में स्कूल के 11वीं कॉमर्स के छात्र लक्ष्य ने एकल वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया, जबकि लक्ष्य एवं कुश की जोड़ी ने युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्रीय स्तर के लिए क्वालिफाई किया। अंडर-14 आयु वर्ग में कक्षा सातवीं के देव ने एकल वर्ग में स्वर्ण पदक तथा कक्षा छठी से सम्राट ने रजत पदक प्राप्त किया। साथ ही देव और सम्राट की जोड़ी ने युगल वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए स्थान सुनिश्चित किया। अंडर-17 छात्रा वर्ग में कक्षा नौंवी से युक्ति और एंजल अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बल पर क्षेत्रीय स्तर पर पहुंचने में सफलता पाई।

फतेहाबाद फोटो : हरिभूमि

जनवरी सत्र में इग्नू से अध्ययनरत विद्यार्थियों की इंडक्शन मीटिंग आयोजित

फतेहाबाद। चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र जनवरी 2025 में प्रवेश ले चुके छात्रों के लिए इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र करनाल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मपाल व सहायक क्षेत्रीय निदेशक अमित कुमार जैन ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मपाल ने छात्रों को विश्व का प्रथम रैंक वाला मुक्त विश्वविद्यालय में दाखिला लेने पर बधाई दी व इंडक्शन मीटिंग में पहुंचने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने छात्रों के लिए इग्नू वेबसाइट के महत्व व उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित कुमार जैन ने छात्रों को अध्ययन में आने वाली असुविधाओं व समस्याओं के समाधान के उपाय बताए और रि-रजिस्ट्रेशन, एग्जाम, प्रोजेक्ट इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र 1031 के समन्वयक डॉ. गुरनाम चंद ने छात्रों को आश्वासन दिया कि अध्ययन केंद्र इग्नू के उच्च मापदंड एवं शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हर समय छात्राओं की सेवा में तत्पर रहकर आगे बढ़ता रहेगा।

51 लोगों का जांचा ब्लड शुगर

- भाविप ने लगाया नि:शुल्क शिविर, लोगों ने रक्त के दिए नमूने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भारत विकास परिषद शाखा भूना द्वारा संचालित शहीद भगत सिंह चैरिटेबल लैब की ओर से सोमवार सुबह 6 से 7 बजे तक शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में निशुल्क ब्लड शुगर जांच शिविर लगाया गया। शिविर में 51 लोगों ने ब्लड शुगर की जांच करवाई। कुछ लोगों ने अन्य जांचों के लिए भी रक्त के नमूने दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष डॉ दीपक बंसल ने की। भाविप उत्तर भारत-2 के क्षेत्रीय संगठन मंत्री जियालाल बंसल विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। मानवता सेवा के कार्यों में लगातार सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना परोपकार का कार्य है। शाखा सचिव सुनील कंबोज ने बताया कि शहीद भगत सिंह चैरिटेबल लैब बाजार दरों की तुलना में आधे मूल्य पर जांचें उपलब्ध करा रही है। इससे आमजन, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। शिविर में शाखा वित्त सचिव आत्म प्रकाश मेहता, आशु सिंगला, विक्रम शर्मा, अरुण सेठी, सतीश गोय, विनोद चुघ, पूरण चंद टाक आदि मौजूद रहे।

भूना। नर्सिंग कॉलेज में नर्सेस डे पर चार्ट प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्राएं।

अंतरराष्ट्रीय नर्स डे : नर्सिंग कॉलेज में फ्लोरेंस को किया याद, दी श्रद्धांजलि

भूना। गुरु द्रोणाचार्य शिक्षण संस्थान परिसर में मानव लक्ष्य एवं नर्सिंग कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय नर्सेस डे धूमधाम से मनाया गया। नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल प्रीत कौर संधू के नेतृत्व में सैकड़ों छात्राओं ने केक काटा। नर्सिंग की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल को श्रद्धांजलि दी गई। बीएड कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. वीरेंद्र शर्मा ने छात्राओं को बताया कि दुनियाभर की नर्सों को समर्पित यह दिन हर साल 12 मई को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 12 मई 1820 को हुई थी। फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक पेशे के रूप में स्थापित किया। वह समाज सुधारक भी थीं। शर्मा ने बताया कि क्रीमिया युद्ध के दौरान उन्होंने घायल सैनिकों की सेवा की। रात के अंधेरे में लैंप लेकर इलाज करती थीं। इसी कारण उन्हें 'द लेडी विद द लैंप' कहा गया। युद्ध के समय सैनिकों में इन्फेक्शन बढ़ रहा था। उनके इलाज से हजारों सैनिक ठीक हुए। छात्राओं ने स्लोगन और पोस्टर के जरिए फ्लोरेंस की बहादुरी और सेवा भावना को दर्शाया। चार्ट प्रतियोगिता में जीएनएम की छात्रा मंजू ने प्रथम व मुकेश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

ये रहे मौजूद: इस अवसर पर सीनियर नर्सिंग ट्यूटर पूनम देवी, मनीषा, अन्नू, अनुपम, गीता, रेणु आदि मौजूद थे।

बच्चों ने ममतामयी नृत्य किए प्रस्तुत

सिरसा। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल पुलिस लाइन में मातृदिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। विद्यालय में कक्षा नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों की माताओं को आमंत्रित किया गया। प्राचार्य जॉय बनर्जी ने बताया कि वर्तमान में मातृशक्ति ही घर और बाहर बहुत अच्छी प्रकार से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों के प्रति चिंतित रहने की बजाय उन्हें सचेत करने की आवश्यकता है। शिक्षिका नीतिका ने मातृशक्ति के लिए अनेक प्रकार के आकर्षक गेम्स करवाए। विजेता मातृशक्ति को पुरस्कार भी दिए गए। कार्यक्रम में बच्चों ने मां के प्रति अपने ममतामयी भाव को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न प्रकार के नृत्य प्रस्तुत किए। कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों ने अपनी मां के प्रति प्यार को प्रकट करते हुए सुंदर ग्रीटिंग कार्ड व स्लोगन बनाए, जो आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे।

- डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में मनाया मातृ दिवस

गंभीर और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा जरूरी : सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद की चर्चा होनी चाहिए ऐसे में जल्द से जल्द विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा करना लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए बहुत जरूरी है। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी एक अवसर होगा। सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में सैलजा ने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे द्वारा प्रधानमंत्री को भेजा गया पत्र विपक्ष की सर्वसम्मत भावनाओं को दर्शाता है। अत्यंत गंभीर और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा आवश्यक है। यह देश की लोकतांत्रिक परंपरा, सुरक्षा नीति और जनता के प्रति हमारी जवाबदेही का हिस्सा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार इन विषयों पर चुप्पी साधे हुए है, जबकि देश चिंतित है और स्पष्टता चाहता है। जनता को सच जानने का अधिकार है, और संसद इसका सर्वोच्च मंच है।

सिरसा के सज्जन सोनी ने बताया ऑप्रेशन सिंदूर का सूक्ष्म अर्थ

सिरसा। हिसारिया बाजार के स्वर्णकार सज्जन सोनी जो सूक्ष्म व आकर्षक चीजें बनाने के लिए जाने जाते है। उन्होंने इस बार भारतीय सेना के द्वारा आतंकवाद के खिलाफ शुरु किए गए ऑप्रेशन सिंदूर के सुक्ष्म प्रतीक को मात्र एक घंटा में साढ़े तीन ग्राम चांदी से तैयार कर दिया। सज्जन सोनी ने बताया कि कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम में आंतकवादियों द्वारा मारे गए सैलानियों का बदला लिया है। उससे प्रेरित होकर उन्होंने इसे बनाया है। यह शहीदों के सम्मान और आक्रमण सिंदूर की कामयाबी का प्रतीक है। इसमें सभी सैलानियां को श्रद्धांजलि भी सिंदूर की बिंदियां बनाकर दी गई है। सोनी ने बताया कि इस सिंबल का कुल वजर साढ़े तीन ग्राम है। एक घंटे कड़ी मेहनत से इस तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पूरी तरह से चांदी से बनाया गया है। सिंबल की लंबाई सवा इंच है जबकि चौड़ाई पौना इंच है। मिग की उंचाई एक इंच रखी गई है। 27 बिंदी लाल रंग से बनाई गई है। सेना के शोर्य से प्रेरित होकर उन्हें सम्मान देने के लिए इसे तैयार किया है। सज्जन सोनी ने बताया कि हमारी सेना पूर्ण रूप से सक्षम है। जिस तरह उन्होंने आतंकवादियों को जवाब दिया है। उससे साबित होता है कि हमारी सेना किसी से कम नहीं है। सेना के शोर्य और पराक्रम पर शक नहीं किया जा सकता है।

श्री धेनु मानस गो कथा के दूसरे दिन बताया गोमाता का महत्व

संपूर्ण सृष्टि की माता है गाय : स्वामी राजेंद्रानंद

- स्वामी राजेंद्रानंद महाराज के प्रवचनों ने श्रद्धालुओं के अंतर्मन को झकझोरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव मोहम्मदपुर रोही स्थित श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला एवं नंदीशाला में चल रही श्री धेनु मानस गो कथा के दूसरे दिन का वातावरण भक्ति, श्रद्धा और सनातन मूल्यों की दिव्यता से ओतप्रोत रहा। गोऋषि स्वामी राजेंद्रानंद महाराज हरिद्वार वाले के प्रवचनों ने श्रद्धालुओं के अंतर्मन को झकझोरा और उन्हें गोमाता की सेवा के महत्व को समझाया।

स्वामी राजेन्द्रानंद महाराज ने अपने प्रवचन की शुरुआत वेदों में वर्णित गोमाता की महिमा से की। उन्होंने कहा कि गाय केवल एक प्राणी नहीं, वह संस्कृति है, संवेदना है और संपूर्ण सृष्टि की माता है। उसके शरीर में 33 कोटि यानी प्रकार के देवी-देवताओं का वास है और उसकी सेवा समस्त यज्ञों से श्रेष्ठ है। जो गाय की सेवा करता है उस पर गोमाता की कृपा अवश्य होती है। जब गो कृपा होती है तो धर्म, सेवा व संस्कार के भाव मनुष्य में जागृत होते है। जो परिवार नियमित तौर पर घर व गोशाला में गो सेवा करता है। उनको किसी प्रकार की परेशानी नहीं आती। उन्होंने बताया कि गोमाता को अघन्या कहा गया है जिसे मारना पाप है, क्योंकि वह पालनकर्ता है, भक्षक नहीं। गोकथा का दूसरा दिन समाज को आत्मनिर्भर भारत और गोसंवर्धन की दिशा में प्रेरित करने वाला सिद्ध हुआ। स्वामी ने गो आधारित कृषि, गौ उत्पादों के उपयोग और गोशालाओं के संवर्धन पर बल देते हुए कहा कि भारत की आत्मा गांव और गाय में बसती है। यदि गाय स्वस्थ है, तो भारत आत्मनिर्भर है। कथा स्थल पर उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कथा का श्रवण किया। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा सभी बड़ी श्रद्धा से कथा में लीन रहे। स्वामी ने अपने प्रवचनों में नारी शक्ति और गोमाता के समान गुणों की भी व्याख्या की। उन्होंने कहा कि गाय और नारी दोनों पोषक हैं। एक परिवार को पालती है, दूसरी समाज को। उन्होंने माताओं से आग्रह किया कि वे बच्चों को भारतीय संस्कृति और गोमाता की सेवा का संस्कार दें।

फतेहाबाद। एमपी रोही में प्रवचन करते स्वामी राजेन्द्रानंद महाराज।

खबर संक्षेप

भट्टू क्षेत्र से एक व्यक्ति लापता, केस दर्ज

फतेहाबाद। भट्टू क्षेत्र से एक व्यक्ति के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव शेखुपुर दड़ौली निवासी सुभाष चन्द्र ने कहा है कि उसके 55 वर्षीय पिता रामप्रताप गत दिवस घर पर बिना बताए कहीं चले गए हैं और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटे है। इस पर उन्होंने काफी जगह उनकी तलाश की लेकिन जब उनका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। सुभाष ने आरोप लगाया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसके पिता को किसी अज्ञात स्थान पर छिपा रखा है। इस मामले में भट्टूकलां पुलिस ने केस दर्ज कर लापता व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

बाइक सवार ने बच्चे को टक्कर मारी, केस दर्ज

फतेहाबाद। शिव चौक के समीप एक तेजगति मोटरसाइकिल पर साइकिल में टक्कर दे मारी। इस हादसे में साइकिल सवार 14 वर्षीय बालक घायल हो गया। उसे उपचार के लिए पहले शहर के निजी अस्पताल में और बाद में सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस मामले में पुलिस ने मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में शिव चौक, फतेहाबाद निवासी सुरेन्द्र कुमार ने कहा है कि उसका 14 वर्षीय लडक़ा लिखित साइकिल पर जा रहा था। जैसे ही वह शिव चौक में ममता डेयरी के पास पहुंचा तो बीघड़ रोड की तरफ से मोटरसाइकिल पर तीन युवक आ रहे थे। बाईक चालक ने बाईक को लापरवाही व तेजगति से चलाया और साइकिल में टक्कर दे मारी। हादसे में साइकिल सवार बालक लिखित घायल हो गया जबकि बाईक सवार मौके से फरार हो गए।

शमशेर सिंह ने संभाला प्राचार्य का कार्यभार

सिरसा। इतिहास प्रवक्ता शमशेर सिंह ने सोमवार को पदोन्नति के बाद राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय, रानियां में प्रधानाचार्य का कार्यभार संभाल लिया है। कार्यक्रम में मंच संचालन करते हुए सीमा वाधवा ने बताया कि कि शमशेर सिंह कई सालों से अध्यापन क्षेत्र में कार्यरत हैं। अध्यापन के अलावा इन्होंने कुश्ती व अन्य खेलों में भी उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने बताया कि इन्होंने खारियां में अपने कार्यकाल के दौरान 18 विद्यार्थियों को महिला दिवस पर मुख्यमंत्री से सम्मान दिलाया तथा विगत तीन वर्षों में इन्होंने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रानियां में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर खेल खिलाए व विद्यार्थियों का अलग-अलग टीमों में चयन करवाया। इंद्रजीत कौर ने बधाई देते हुए कहा कि जिस प्रकार से इन्होंने तन-मन-धन के साथ पिछले विद्यालयों में कार्य किया है, अब उससे कहीं ज्यादा यह इस विद्यालय में कार्य करेंगे। बूटा सिंह व गुरदीप सैनी ने शमशेर सिंह को बधाई दी तथा उम्मीद जताई कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है उसे वे बखूबी निभाएंगे।

9 जून तक तपस्या करेंगे बाबा

दड़बा कलां में भीषण गर्मी में चारों ओर पांच धूनों के बीच महाराज जिंदर नाथ कर रहे तपस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

इस समय जब भीषण गर्मी से घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। इस गर्मी में पंखों से भी आराम नहीं मिल पा है तो लोग एससी व कूलर का सहारा ले रहा है। ऐसे में गांव दड़बा कलां स्थित अखाड़ा में योगी जिंदर नाथ लगातार 5 धूनों के बीच तपस्या कर रहे हैं। गांव में सुख शांति के लिए पिछले 13 दिन से धूनों के बीच बैठे हैं। महाराज 41 दिन तक यानि 9 जून तक धूनों के बीच बैठकर तपस्या करेंगे। तपस्या के अंतिम दिन भंडारे का आयोजन किया जाएगा। अखाड़ा परिसर में यहां पर गांव के लोग बड़ी संख्या में सुबह से पहुंचने लगते हैं। गांव की महिलाएं कीर्तन करती है। मंगल गीतों के बीच महाराज की तपस्या पूरी होती है। गांव के लोगों ने बताया कि डेरा से लोगों की काफी आस्था जुड़ी हुई है।

सिरसा। धूनों के बीच तपस्या में लीन महाराज जिंदर नाथ।

लोगों की आस्था

आपको बता दें कि दड़बा कलां के अखाड़ा से काफी आस्था लोगों की है। यहां पर शीशनाथ, बधाईनाथ व सुकराई नाथ की समाधि बनी हुई हैं। जहां पर सुबह शाम लोग माथा टेकने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर मन्नतें भी पूरी होती है। गांव के लोगों की अपार श्रद्धा है और स्वयं गांव के लोगों का मानना है, यहां पर माथा टेकने से उनके काम सफल हुए हैं।

सर्दी में भी तपस्या

अखाड़ा में बाबा योगी जिंदर नाथ सर्दी के मौसम में ठंडे पानी की धारा में तपस्या करते हैं। गांव में सुख शांति के लिए उनकी तपस्या 21 दिनों तक तपस्या चलती है। तपस्या के अंतिम दिन 108 पानी के मटकों के नीचे जलधारा के नीचे तपस्या करते हैं। अखाड़े के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। सैकड़ों लोग माथा टेकने पहुंचते है।

दड़बा कलां अखाड़ा में उनकी तीसरी तपस्या

अखाड़ा में फिलहाल महाराज की तपस्या जारी है। इस भीषण गर्मी में बाबा आग के 5 धूनों के बीच तपस्या में लीन हैं। यहां पर प्रतिदिन तपती दोपहर में 12 बजे से योगी बाबा जिंदर नाथ महाराज तपस्या पर बैठते हैं। इसके बाद यहां से शंख की धून बजाते हुए दोपहर करीब 2 बजकर 5 मिनट पर खड़े होते हैं। महाराज जिंदर नाथ 9 बार आग के धूनों के बीच तपस्या कर चुके हैं। दड़बा कलां अखाड़ा में उनकी तीसरी तपस्या है।

पीएम मोदी ने नई लक्ष्मण रेखा खींची, जिसे पाक कभी नजर अंदाज नहीं करेगा : जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कश्मीर के पहलगाम के आतंकी हमले का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने 'ऑप्रेशन सिन्दूर' के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के 9 से अधिक ठिकानों को नेस्तेनाबूद करके पूरे विश्व को बड़ा संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत कोई समझौता नहीं करने वाला। यह बात भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कही।

उन्होंने कहा कि हर सैन्य मोर्चे पर पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को ध्वस्त करके भारतीय सेना ने पूरे विश्व को अपना पराक्रम और शौर्य दिखाया है। हिन्दुस्तान और पाकिस्तान की इस जंग में विश्व की बड़ी बड़ी ताकतों ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा माना है। भाजपा नेता प्रवीण जोड़ा ने कहा कि सीजफायर के समझौते में भी भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं होगा। भविष्य में यदि देश पर कोई आतंकवादी हमला हुआ तो इसे सीधे तौर पर युद्ध समझा जाएगा। भारत से स्पष्ट कर दिया है कि अब अगर पाकिस्तान ने सीज फायर का उल्लंघन करते हुए एक भी गोली चलाई तो भारत गोली का जवाब गोले से देगा। प्रवीण जोड़ा ने कहा आज पूरे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और भारतीय सेनाओं पर गर्व और अटूट विश्वास है। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सैन्य कार्रवाही करके एक नई लक्ष्मण रेखा खींच दी है। भारत की कार्रवाही ने रणनीति के अंदर जवाब देने के सिद्धांत को निर्णायक कार्रवाही और जवाब देने के सिद्धांत को बदला है। ऑप्रेशन सिन्दूर ने एक ऐसी लक्ष्मण रेखा खींच दी है, जिसे पाकिस्तान अब कभी नजरअंदाज नहीं कर सकेगा। मोदी सरकार ने पाक को कड़ा सबक व संदेश दिया है।

अपराधियों पर फतेहाबाद पुलिस का शिकंजा

पुलिस ने 68 आरोपी किए गिरफ्तार विभिन्न मामलों में 45 पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस ने इनके पास से 17.362 किलोग्राम चूरा पोस्त, 1.419 किलोग्राम अफीम, 2.490 किलोग्राम गांजा, 17.760 किलोग्राम चरस, 76.07 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आबकारी अधिनियम के तहत 5 मामलों में 7 लोगों को पकड़ा है। इनके पास से पुलिस ने 4010 बोतल अंग्रेजी शराब, 250 बोतल देशी शराब, 50 बोतल बीयर, 45 बोतल अवैध शराब व 410 लीटर लाहन बरामद किया

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशन में जिलेभर में अपराध और गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध एक मई से विशेष सघन अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत कस्बों, गांवों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक नाकाबंदी, तलाशी और छापेमारी की गई है। इस दौरान पुलिस टीमों ने अनेक अभियुक्तों को चिन्हित कर उन्हें कानूनी दायरे में लाते हुए सख्त कार्रवाई की है। इस दौरान जिला पुलिस ने विभिन्न मामलों में 45 मामले दर्ज कर 68 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मई माह में जिला पुलिस ने मादक पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 16 मामले दर्ज कर 21 लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने इनके पास से 17.362 किलोग्राम चूरा पोस्त, 1.419 किलोग्राम अफीम, 2.490 किलोग्राम गांजा, 17.760 किलोग्राम चरस, 76.07 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आबकारी अधिनियम के तहत 5 मामलों में 7 लोगों को पकड़ा है। इनके पास से पुलिस ने 4010 बोतल अंग्रेजी शराब, 250 बोतल देशी शराब, 50 बोतल बीयर, 45 बोतल अवैध शराब व 410 लीटर लाहन बरामद किया। शस्त्र अधिनियम के तहत 5 मामलों में 6 लोगों को गिरफ्तार किया और इनके पास से 7 अवैध पिस्तौल तथा 15 जीवित कारतूस बरामद किए। जुआ अधिनियम के तहत 2 मामलों में 16 लोगों को काबू कर इनके पास से 51550 रुपये की जुआ राशि बरामद की। मई माह में पुलिस ने अब तक 11 घोषित अपराधी तथा 7 बेल जम्पर पकड़े है। साइबर अपराधों पर कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस ने मई माह में अब तक 10 मामले दर्ज कर 8 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्ज से 1 लाख 73 हजार की नकदी बरामद की वहीं अन्य शिकायतों में आमजन को 1 लाख 23 हजार की राशि लौटाई गई। आमजन के गुम हुए 11 मोबाइल जिसकी कीमत लाखों में ढूंढ कर वापिस लौटाए। अभियान के दौरान जिला पुलिस द्वारा राजस्थान व पंजाब की सीमाओं से सटे क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे वाहनों एवं व्यक्तियों की गहन जांच की गई। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए पुलिस ने नगरीय और ग्रामीण इलाकों में पैदल गश्त, नाकाबंदी और व्यापक चेकिंग के माध्यम से प्रभावी उपस्थिति दर्ज की।

जन-जागरूकता और सहयोग का आह्वान

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि पुलिस का कार्य केवल अपराध नियंत्रण नहीं है, बल्कि जनता में विश्वास और सुरक्षा का वातावरण स्थापित करना भी प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वे आमजन को नशे के दुष्परिणाम, साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा, ट्रैफिक नियमों तथा डायल-112 सेवा के प्रति जागरूक करें। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। जन सहयोग से ही अपराध मुक्त और भयमुक्त समाज का निर्माण संभव है। फतेहाबाद पुलिस सदैव जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए तत्पर है।

पाकिस्तान द्वारा गुरुद्वारे पर हमला करने की ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी ने की निंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के पदाधिकारी।

ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी ने पाकिस्तान की आर्मी द्वारा जम्मू कश्मीर के पूंछ जिला में श्री गुरुद्वारा साहब में मिसाइल से अटैक करने की कड़े शब्दों में निंदा की है। इस हमले में वहां के हेड ग्रंथी सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी। तीनों गुरुमुख ही एक ही परिवार के तीनों सगे भाई थे इससे पूरा परिवार ही गमगीन हो गया। ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी ने आम नागरिकों एवं धार्मिक स्थान को निशाना बनाने के लिए पाकिस्तान सरकार व पाकिस्तान आर्मी की इस घिनौनी हरकत को इंसानियत को शर्मसार करने वाली बताया है। ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष साहब दयाल वधवा के संस्थान पर हुई। बैठक में सभी ने एक स्वर में इस घिनौने कार्य के लिए पाकिस्तान आर्मी व पाकिस्तान सरकार की घोर निंदा की और निंदा प्रस्ताव पास किया। साहिब दयाल वधवा ने कहा कि पाकिस्तान ने न केवल धार्मिक स्थान मंदिर और गुरुद्वारों को निशाना बनाया बल्कि आम नागरिकों को भी अपना निशाना बनाकर इंसानियत को शर्मसार करने वाला घृणित कार्य किया है जिसकी जितनी भत्र्सना की जाए, कम है।

श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला चैरिटेबल ट्रस्ट की अयालकी गोशाला का हुआ शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। अयाल्की में गौशाला का शिलान्यास करते भाजपा जिलाध्यक्ष।

संत शिरोमणी स्वामी सदानन्द महाराज के आशीर्वाद से ग्राम पंचायत अयाल्की में श्री कृष्ण प्रणामी गौशाला चैरीटेबल ट्रस्ट की नवनिर्मित गौशाला का शिलान्यास किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा व प्रमुख समाजसेवी देवी दयाल तायल ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरंपच कविता रानी व श्री कृष्ण प्रणामी गौशाला चैरीटेबल ट्रस्ट अयाल्की के प्रधान महेन्द्र सिंह लखेरा ने की। गऊशाला के शिलान्यास करते हुए प्रवीण जोड़ा ने कहा कि सनातन संस्कृति की मान्यता के अनुसार गऊ माता में ** करोड़ देवी देवताओं का वास होता है। गऊ सेवा को सबसे पुनित कार्य माना जाता है। गऊ माता का दूध मनुष्य शरीर के लिए अमृत समान बताया गया है। गऊ माता के दूध का सेवन करने से गंभीर से गंभीर रोग भी दूर हो जाते हैं। उन्होंने सभी गांववासियों को गोशला का शुभकमानाएं दी।

आपदा के समय घबराने की बजाय दूसरे की मदद के लिए तैयार रहना चाहिए : डॉ. सृष्टि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। आर्यभट्ट नर्सिंग कॉलेज में विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. सृष्टि।

जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी भी आपदा या मुसीबत के समय एक-दूसरे की मदद के लिए स्वयं सेवकों को तैयार करने के उद्देश्य से ट्रेनिंग कैम्प आयोजित किया गया। इसके तहत मानावाली स्थित आर्यभट्ट नर्सिंग कॉलेज में सभी एएनएम, जीएनएम, एमपीएचडब्ल्यू व एचएसआई छात्र छात्राओं को सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य विभाग, नागरिक अस्पताल फतेहबाद की ओर से डॉ. सृष्टि ने विद्यार्थियों को ट्रेनिंग दी। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य वॉलिंटियर्स को बेसिक ट्रेनिंग देना और किसी इमरजेंसी के दौरान कैसे दूसरों की सहायता की जाती है, के बारे में बारीकी से विस्तार से जानकारी देना रहा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. सृष्टि ने बताया कि किसी भी मुसीबत व आपदा के दौरान घबराना नहीं चाहिए, बल्कि हिम्मत साहस का परिचय देते हुए अपने को सुरक्षित कर दूसरों की मदद करनी चाहिए।

पुलिस कर्मचारियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। सफाई अभियान चलाते पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सिरसा पुलिस ने अपनी जिम्मेदारियां के साथ-साथ सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए पुलिस लाइन परिसर, कार्यालयों व अन्य थाना चौकियों तथा आसपास के क्षेत्र में श्रमदान कर विशेष सफाई अभियान चलाकर समाज में पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने पुलिस कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि साफ सफाई से न केवल पर्यावरण शुद्ध होता है, बल्कि इससे मनुष्य का मानसिक शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ परिसर एक सकारात्मक माहौल तैयार करता है जो कार्य कुशलता को भी बढ़ता है, जिससे काम करने की क्षमता भी बढती है। उन्होंने कहा कि श्रमदान, महादान इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में स्वच्छता को बढावा देने चाहिए,क्योकिं स्वस्थ शरीर में स्वस्थ दिमाग निवास करता है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के अंदर स्वच्छता की प्रति जागरूकत बढेगी और समाज में भी स्वच्छता का संदेश जाएगा। उन्होंने बताया कि नियमित साफ-सफाई से कार्यस्थल बेहतर होता है और यह अनुशासन एवं जिम्मेदारी का प्रतीक भी बनता है। पुलिस अधीक्षक ने जिला के पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आप जहां भी रहते हैं, उसके आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखना आपका दायित्व है। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि वातावरण को स्वच्छ बनाने में सभी को मदद करनी चाहिए।

भगवान बुद्ध का अहिंसा, करूणा, शांति का संदेश आज भी प्रासंगिक : साहुवाला

सिरसा। लॉयस क्लब सिरसा अमर के संस्थापक अध्यक्ष रमेश साहुवाला ने बुद्ध जयंती पर बतौर मुख्यातिथि कहा कि महात्मा बुद्ध के बताए हुए अष्टांगिक मार्ग को यदि मनुष्य अपने जीवन में उतार लें तो वह स्वयं संत बन सकता है तथा समाज को एक नई आध्यात्मिक दिशा देकर मनुष्य जाति का कल्याण कर सकता है। साहुवाला ने बताया कि जब महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ तो हिमालय के धवल शिखर आईने की तरह चमक उठे, झरनें गिरि-कंदराओं से मतवाले होकर फूट पड़े तथा सारी सृष्टि धन्य हो गई। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध ने हिंसा न करने, उदासीन रहने, वासनाओं को पूरा न करने, असत्य से दूर रहने, मादक पदार्थों का सेवन न करने, मन में द्वेष-भाव न रखने व संपूर्ण चराचर सृष्टि पर निःस्वार्थ प्रेम करने के उपदेश देकर धन्य किया था। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध ध्यान योगी, ज्ञानी, नीतिगत मार्ग पर चलने वाले, मधुरभाषी, प्रेम की मूर्ति तथा लोगों के सुख-दुख में समरस होने वाले एक महान पुरुष थे। उन्होंने दुनिया को अहिंसा, करुणा और शांति का संदेश दिया था और उनके उपदेश आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म के प्रभाव से नए विचार पैदा हुए, मनुष्य की सम्पूर्ण वृत्तियों के विकास के बीज उगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

जेसीडी विद्यापीठ में हुई फेयरवेल पार्टी

सिरसा। जेसीडी मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज में सोमवार को फाइनल वर्ष के छात्रों के लिए सारांश-द फाइनल कंपाइल फेयरवेल पार्टी आयोजित की गई जिसमें विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश मुख्यातिथि थे। उन्होंने इंजीनियरिंग कॉलेज के विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश का आभार व्यक्त किया। मुख्यातिथि डॉ. जयप्रकाश ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हौंसला और अनुशासन बहुत जरूरी है। स्नातक होने के बाद उन्हें हर क्षेत्र में अपनी लड़ाई स्वयं ही लडनी होगी, इसलिए यह बहुत जरूरी है कि वे अपने जीवन मूल्यों पर अडिग रहें और अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें। संघर्ष जितना बड़ा होगा जीत उतनी ही शानदार होगी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा बेहतरीन प्रस्तुतियां दी गई। काजल एवं अनु ने सोंकण गीत पर पंजाबी नृत्य प्रस्तुत किया।

सो रही महिला के कान से बाली तोड़ी, केस

सिरसा। जिला के गांव अलीकां में दुकान में सो रही महिला के कानों से बाइक सवार युवक एक सोने की बाली चोरी कर भाग गए। महिला ने काफी शोर भी मचाया, लेकिन आरोपी भागने में कामयाब हो गए। पुलिस को दी शिकायत में राज सिंह ने बताया कि उसकी माता बीती 11 मई की दोपहर को दुकान में सोई हुई थी। वह किसी काम से बाहर गया हुआ था। दोपहर करीब 1 बजे बाइक सवार युवक आए और उसके कान से एक सोने की बाली निकालकर ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तैयारी पुलिस लाइन जनरल परेड एवं मॉक ड्रिल का पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने किया निरीक्षण

आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पुलिस कर्मियों ने की मॉक ड्रिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। मॉक ड्रिल का निरीक्षण करते एसपी सिद्धांत जैन।

पुलिस लाइन फतेहाबाद में सोमवार को जनरल परेड एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने परेड का गहन निरीक्षण किया तथा पुलिसकर्मियों की शारीरिक व मानसिक फिटनेस सुनिश्चित करने हेतु दौड़ एवं परेड का संचालन करवाया। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से, पुलिस लाइन में दंगा नियंत्रण इकाइयों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल की गई। कराया गया। इस अभ्यास में पुलिस बल को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे किसी भी आपदा अथवा असामाजिक गतिविधि की स्थिति में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस मॉक ड्रिल में उप-पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक स्तर के अधिकारी तथा जिले के सभी पुलिसकर्मी सम्मिलित हुए। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने मॉक ड्रिल के दौरान बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं, ताकि पुलिसकर्मियों की कार्यकुशलता में निरंतर वृद्धि हो सके। उन्होंने निरीक्षण के दौरान जहां-जहां कमियां पाई, उनके तत्काल सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रत्याशित या आपात स्थिति, विशेषकर दंगा या भारी भीड़ की स्थिति में, यदि पूर्व प्रशिक्षण न हो तो समय रहते नियंत्रण पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में नियमित मॉक ड्रिल से पुलिस बल को प्रशिक्षण की पुनरावृत्ति करने और उसे व्यावहारिक रूप से अपनाने का अवसर प्राप्त होता है।

मॉक ड्रिल के अंतर्गत पुलिसकर्मियों को अनेक विषयों पर विशेष व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें भीड़ नियंत्रण की रणनीतियां, आंसू गैस के गोले छोडऩे की तकनीक, कनसील्ड (छिपी) ढालों का प्रयोग, लाठीचार्ज की विधियां, संवैधानिक ढंग से असामाजिक तत्वों से निपटने के उपाय शामिल है।

विशेषज्ञों द्वारा यह भी सिखाया गया कि किस प्रकार संवेदनशील परिस्थितियों में सख्ती और संयम के साथ कार्रवाई की जानी चाहिए। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य था कि फतेहाबाद पुलिस किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मानसिक, शारीरिक एवं रणनीतिक रूप से पूर्णतः तैयार रहे।